



ग्रामाभ्युदयादेव देशाभ्युदयः  
गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय  
कृषि मौसम विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय  
पन्तनगर-263145 उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)  
फोन नम्बर: 05944-233032



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद – नैनीताल

उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे

निदेशक, मौसम केन्द्र, देहरादून

वर्ष: 28 अंक: 27 बुलेटिन अवधि: : 3 – 7 अप्रैल, 2019 दिन: शुक्रवार दिनांक: 2 अप्रैल, 2019

**मौसम पूर्वानुमान:**

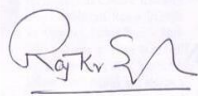
भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा संचालित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अन्तर्गत राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली द्वारा पूर्वानुमानित तथा मौसम केन्द्र, देहरादून द्वारा संसोधित पूर्वानुमानित मध्यम अवधि मौसम आँकड़ों के आधार पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित कृषि मौसम विज्ञान प्रक्षेत्र इकाई (AMFU), गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा नैनीताल जिले के पर्वतीय व मैदानी क्षेत्रों में अगले पाँच दिनों में निम्न मौसम रहने की संभावना व्यक्त की जाती है :-

पूर्वानुमानित मौसम तत्व	मौसम पूर्वानुमान – नैनीताल				
	03/04/2019	04/04/2019	05/04/2019	06/04/2019	07/04/2019
वर्षा (मिमी0)	0	0	0	2	0
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	21	22	23	24	22
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	8	9	10	12	11
बादल आच्छादन	साफ	आंशिक बादल	आंशिक बादल	मध्यम बादल	आंशिक बादल
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	75	75	75	85	85
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	35	35	35	45	45
वायु की औसत गति (कि0मी0 प्रतिघंटा)	004	006	004	006	006
वायु की दिशा	पूर्व-दक्षिण-पूर्व	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम	पूर्व-दक्षिण-पूर्व	पूर्व-दक्षिण-पूर्व

भारत मौसम विज्ञान विभाग के नैनीताल स्थित मौसम विज्ञान वेधशाला (समुद्रतल से ऊँचाई-2084 मीटर) के प्रेक्षणानुसार विगत सात दिनों (26 मार्च – 1 अप्रैल, 2019) में आसमान साफ रहने के मध्यम से घने बादल छाये रहे तथा अधिकतम तापमान 16.5 से 24.5 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 5.3 से 10.5 डि0से0 के बीच रहा। ऐसे अनुमानित मौसम में गो0ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर के वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र के कृषक भाइयों को सलाह दी जाती है कि इस मौसम में विभिन्न फसलों के लिए खेतों में निम्नानुसार कार्यक्रम अपनायें।

## कृषि मौसम परामर्श

फसल	अवस्था	कृषि मौसम सलाह समिति द्वारा किसानों हेतु कृषि सलाह
गेहूँ	दुग्धावस्था	गेहूँ की फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें तथा कीड़े एवं अन्य बीमारियों के प्रकोप हो रहा हो तो अनुमोदित कीटनाशियों का प्रयोग करें।
लोबिया	—	लोबिया की फसलों में पत्ती धब्बा रोग के नियंत्रण हेतु मैनकोजेब 2.0 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
प्याज और लहसुन	—	प्याज और लहसुन की पत्तियों उपर से पीली पड़ने पर प्रोपीकोनाजोल या टेबूकोनाजोल का 1 मिली0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
टमाटर, मिर्च	—	टमाटर व मिर्च की फसल में अगेती रोपी गई फसल में सिकुड़े हुए चित्तकबरे पत्ते दिखाई देने पर ग्रसित पौधों को निकालकर नष्ट करें। तथा रस चूसने वाले कीड़ों के नियंत्रण हेतु सर्वांगी कीटनाशी का छिड़काव करें।
उद्यान प्रबन्ध	—	नर्सरी में ग्राफिटिंग किये गये पौधों में मूल वृत्त से निकलने वाली शाखाओं को तोड़कर अलग करें। ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों में एप्पल स्कैब रोग के नियंत्रण के लिए आवश्यक छिड़काव करें। बगीचों में अधिक फल उत्पादन हेतु मधुमक्खियों से भरे बक्सों का प्रबन्ध लगभग 2-3 बक्से/एकड़ के हिसाब से करें।
पशुपालन	—	मुर्गियों के अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए उनके आवास के तापमान का विशेष ध्यान रखें, उन्हें खाने के लिए सन्तुलित आहार दें तथा साफ-सुथरा एवं ताजा जल उपलब्ध करायें।  इस समय पशुओं में बॉझपन और जोहन की बीमारी होने की अधिक संभावना है। इस स्थिति में पशुओं का तत्काल इलाज करवाए।  पटेरा रोग से बचाव हेतु प्रसव होने के 10 दिन पश्चात् 10-15 सी0सी0 नीम का तेल नवजात को पिला दें। तदुपरांत 10 दिन पश्चात् पुनः 10-15 सी0सी0 नीम का तेल पिला दें। बथुए का तेल इसका रामबाण इलाज है।



**डा0 आर0 के0 सिंह**  
**प्राध्यापक एवं प्रिंसिपल नोडल अधिकारी**  
**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,**  
**गो.ब. पन्त कृषि एवं प्रौद्यो. विश्वविद्यालय, पन्तनगर**